बालमन कुछ कहता है

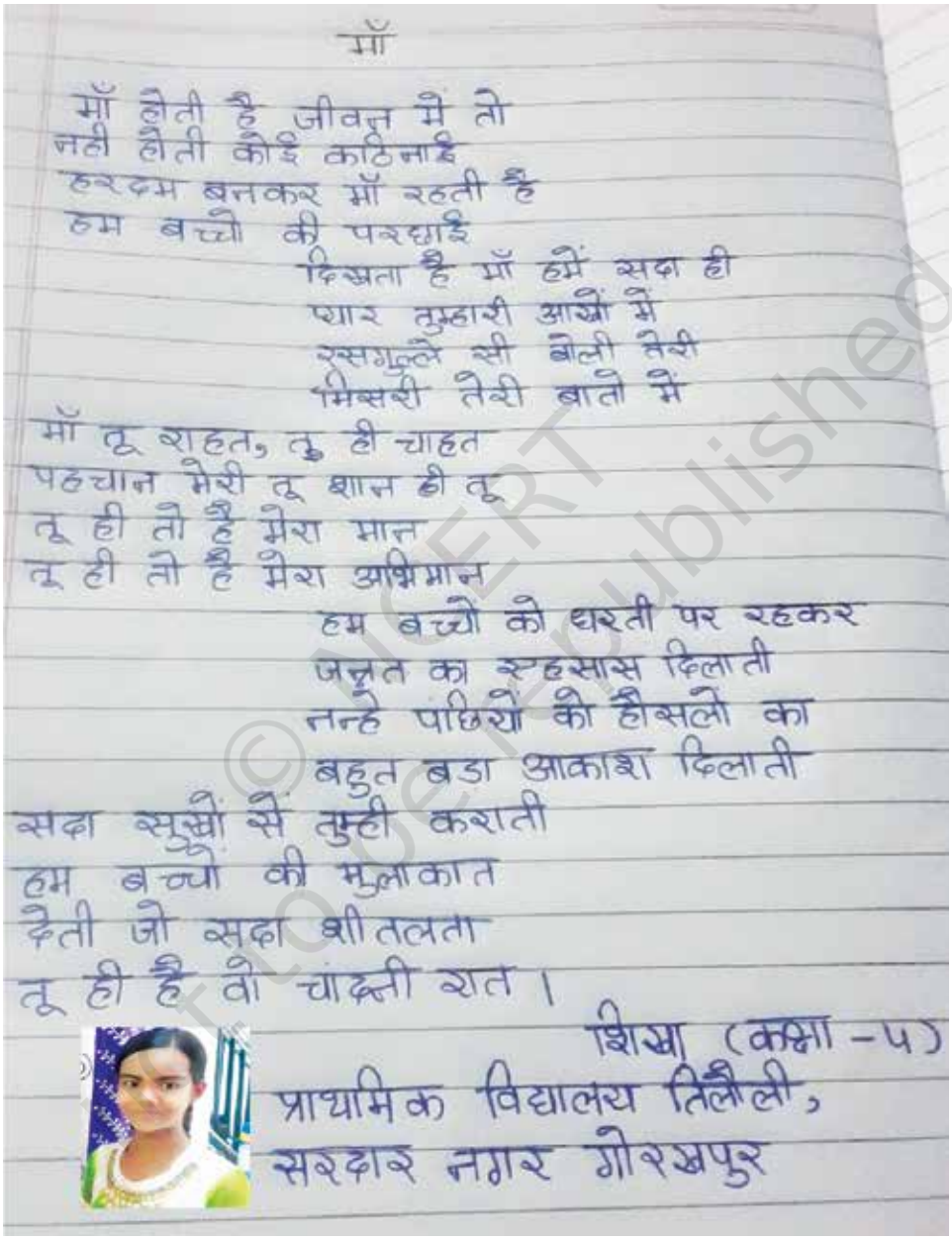

माँ

माँ होती है जीवन में तो
नहीं होती कोई कठिनाई
हरदम बनकर माँ रहती है
हम बच्चों की परछाई
दिखता है माँ हमें सदा ही
प्यार तुम्हारी आँखों में
रसगुल्ले सी बोली तेरी
मिसरी तेरी बातों में
माँ तू राहत, तू ही चाहत
पहचान मेरी तू शान ही तू
तू ही तो है मेरा मान
तू ही तो है मेरा अभिमान
हम बच्चों को धरती पर रहकर
जन्नत का एहसास दिलाती
नन्हे पंछियों को हौसलों का
बहुत बड़ा आकाश दिलाती
सदा सुखों से तुम्हीं कराती
हम बच्चों की मुलाकात
देती जो सदा शीतलता
तू ही है वो चाँदनी रात।

शिखा (कक्षा – 5)
प्राथमिक विद्यालय तिलौली,
सरदार नगर गोरखपुर

© NCERT not to be republished